EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE – TOTALCREDITS

M.A.ISEMESTER

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
MGLC-101	गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण	03	40	60
MGLC-102	गढ़वालीभाषाऔरसाहित्यका इतिहास-प्राचीनएवंमध्यकालीन	03	40	60
MGLC-103	जनसंचार एवं पत्रकारिता	03	40	60
MGLC-104	लोकसाहित्य	03	40	60
MGLC-105	अनुवाद– गढ़वालीभाषाकेसिद्धांतएवंअभ्यास	03	40	60
MGLC-106	गढ़वालीकथासाहित्य	03	40	60
	TOTAL	**18**	**240**	**360**

प्रश्नपत्रतीनखंडोंमेंविभक्तहै, जिनमेंएकदीर्घउत्तरीय, 06 लघुउत्तरीयप्रश्न, 10 वस्तुनिष्ठप्रश्नहैंजोसभीखंडोंसेलिएगएहैं।विद्यार्थीकोसमस्तखंडोंसेउत्तरदेनाअनिवार्यहै।

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE – TOTALCREDITS

M.A.IISEMESTER

Code	Title ofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
MGLC-201	गढ़वालीभाषा:उत्पत्तिऔरविकास	03	40	60
MGLC-202	गढ़वालीसाहित्यकाइतिहास	03	40	60
MGLC-203	गढ़वालीभाषाकाव्य (प्रथमभाग)	03	40	60
MGLC-204	गढ़वालीगद्यसाहित्य	03	40	60
MGLC-205	प्रयोजनमूलकगढ़वाली	03	40	60
MGLC-206	सांस्कृतिकपर्यटन	03	40	60
	Total	**18**	**240**	**360**

प्रश्नपत्रतीनखंडोंमेंविभक्तहै, जिनमेंएकदीर्घउत्तरीय, 06 लघुउत्तरीयप्रश्न, 10 वस्तुनिष्ठप्रश्नहैंजोसभीखंडोंसेलिएगएहैं।विद्यार्थीकोसमस्तखंडोंसेउत्तरदेनाअनिवार्यहै।

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE – TOTALCREDITS

M.A.III SEMESTER

Code	Title of Course/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
MGLC-301	गढ़वालीलोकसाहित्य	03	40	60
MGLC-302	गढ़वालमेंसांस्कृतिकसंचारऔरभाषाईपत्रकारिता	03	40	60
MGLC-303	गढ़वालीभाषाकाव्य (द्वितीय भाग)	03	40	60
MGLC-304	गढ़वालीसाहित्यमंजूषा	03	40	60
MGLC-305	गढ़वालीगद्यमंजूषा	03	40	60
MGLC-306	गढ़वालीलोकगीत: स्वरुपएवंसाहित्य	03	40	60
	Total	**18**	**240**	**360**

प्रश्नपत्रतीनखंडोंमेंविभक्तहै, जिनमेंएकदीर्घउत्तरीय, 06 लघुउत्तरीयप्रश्न, 10 वस्तुनिष्ठप्रश्नहैंजोसभीखंडोंसेलिएगएहैं।विद्यार्थीकोसमस्तखंडोंसेउत्तरदेनाअनिवार्यहै।

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE – TOTALCREDITS

M.A.IV SEMESTER

Code	Title of Course/Paper	Credit	Marks	
			Internal	**External**
MGLC-401	गढ़वालीगीत: सृजन, गायनएवंसंगीत	03	40	60
MGLC-402	गढ़वालीसंस्कृति	03	40	60
MGLC-403	गोविन्दचातक - गढ़वालीलोकगीत	03	40	60
MGLC-404	प्राचीन एवं आधुनिकगढ़वालीकविता	03	40	60
MGLC-405	गढ़वालकीकलाऔरवास्तुकला	03	40	60
MGLC-406(i) MGLC 406(ii)	गढ़वालहिमालयऔरसाहित्य (विकल्प -1) लघुशोधप्रबंध (विकल्प -2)	03	40	60
	Total	**18**	**240**	**360**

प्रश्नपत्रतीनखंडोंमेंविभक्तहै, जिनमेंएकदीर्घउत्तरीय, 06 लघुउत्तरीयप्रश्न, 10 वस्तुनिष्ठप्रश्नहैंजोसभीखंडोंसेलिएगएहैं।विद्यार्थीकोसमस्तखंडोंसेउत्तरदेनाअनिवार्यहै।

SHRIGURURAMRAIUNIVERSITY

(Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017)PATEL NAGAR,DEHRADUN, 248001,UTTARAKHAND, INDIA

SYLLABUS OF GARHWALI LANGUAGE AND CULTURE

(2020)

Program:M.A.

एम. ए. प्रथमसेमेस्टर
गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण
प्रथमप्रश्नपत्र

पूर्णांक: 100

समय : तीनघंटे
विषयकोड- MGLC-101

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- छात्रोंकोगढ़वालीभाषाकेव्याकरणकाज्ञानउपलब्धकरवानेकेलिए।
2- गढ़वालीभाषाकेमानकीकरणसंबंधितजानकारीकेलिए।
3- गढ़वालीवाक्यनिर्माणकेसमुचितअध्ययनकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- भाषाअध्ययनऔरभाषाव्याकरण
2- गढ़वालीकाव्याकरणिकस्वरुप: वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी,
अंकतथाइसकेलिएदेवनागरीलिपिकाअनुप्रयोग
3- गढ़वालीकाभाषिकस्वरुप: शब्दरचना(उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि)
4- शब्दविचार: शब्दऔरपद, गढ़वालीशब्दोंकीरूपरचना - विकारीऔरअविकारीशब्द
5- गढ़वालीशब्दोंकावर्गीकरण (क) रचनाकेआधारपर - रूढ़, यौगिक, योगरूढ़
(ख) अर्थकेआधारपर - तत्सम, तद्भव, देशी, देशज, स्थानीय, विदेशीऔरसंकर
(ग) अर्थकेआधारपर - पर्यायवाची, विलोम, समानार्थीऔरअनेकार्थीशब्द
6- वाक्य : परिभाषा, गढ़वालीवाक्यरचना,वाक्यभेद, वाक्यविशेषण, वाक्यसंश्लेषण, सामान्यअशुद्धियां,
शुद्धवाक्य, गढ़वालीवाक्योंकेविशिष्टप्रकार
7- विरामचिह्न
8- गढ़वालीभाषाकामानकीकरण: समस्याऔरसमाधान, मानकीकृतगढ़वालीभाषामेंगद्यकानमूना
9- गढ़वालीकहावतें, मुहावरेएवंपहेलियां

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वाली - हिंदी - अंगेजीशब्दकोश–अचलानंदजखमोला
2- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) –डॉ.अचलानंदजखमोला
3- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद

4- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी
5- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला
6- गढ़वाली व्याकरण - भुवनेश्वर जुयाल तथा वाचस्पति डोभाल
7- गढ़वालीभाषाऔरव्याकरण - सुरेशममगाई
8-गढ़वाली भाषा की शब्द सम्पदा - रमाकांत बेंजवाल

एम. ए. प्रथमसेमेस्टर
गढ़वालीभाषाऔरसाहित्यकाइतिहास - प्राचीनएवंमध्यकालीन
द्वितीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक: 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC-102

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- उत्तराखंडमेंइतिहासलेखनकीपरंपराकेसम्पूर्णअध्ययनकेलिए।
2- उत्तराखंडकीभौगोलिकपृष्ठभूमिकोसमझनेकेलिए।
3- उत्तराखंडसेसंबंधितसम्पूर्णराजनीतिक,
ऐतिहासिकऔरसामाजिकपरिस्थितियोंकेविस्तृतअध्ययनकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालमेंसाहित्यइतिहासलेखनपरंपरा
2- गढ़वाल केसाहित्यिकइतिहासकेस्रोत
3- गढ़वालकेसाहित्यमेंभूगोलएवंपर्यावरण
4- गढ़वालीसाहित्य मेंपौराणिकआख्यान
5- मध्यकालीन, आधुनिकगढ़वालीसाहित्य

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दन
2- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली- कुमाऊनी- जौनसारी) - डॉ.अचलानंदजखमोला
3- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद
4- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी
5- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईंक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉ. जगदीशप्रसादनौडियाल
6- उत्तराखंडकाइतिहास - डॉ.यशवंतसिंहकठोच

एम. ए. प्रथमसेमेस्टर
जनसंचार एवं पत्रकारिता
तृतीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक: 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC-103

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- गढ़वालीभाषामेंपत्रकारिताकाउद्भवऔरविकासविषयकीगहनजानकारीकेलिए।
2- पत्रकारिताकेक्षेत्रसेसंबंधितविविधसूचनासंकलितकरनेकेसंदर्भमें।
3- समाचारपत्रोंकेसंकलनऔरप्रकाशनकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वाली पत्रकारितास्वरुपऔरप्रकार
2- हिंदीएवंगढ़वालीपत्रकारिताकाउद्भवएवंविकास
3- गढ़वालीपत्रकारिताकेमूलतत्व - समाचारसंकलनतथालेखनकेमुख्यआयाम
4- संपादनकलाकेसामान्यसिद्धांत - शीर्षकीकरण, पृष्ठविन्यास,
आमुखऔरसमाचारपत्रकीप्रस्तुतिवप्रक्रिया
5- समाचारपत्रोंकेविभिन्नस्तंभोंकीयोजना
6-समाचारकेविभिन्नस्रोत
7- संवाददाताकीअर्हता,श्रेणीएवंकार्य
8- पत्रकारितासेसंबंधितलेखन: संपादकीयफीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजीसमाचारअनुवर्तन
(फॉलोअप) आदिकीप्रविधि
9- इलेक्ट्रॉनिकमाध्यमोंकीपत्रकारिता: रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल,
मल्टीमीडियाऔरइंटरनेटकीपत्रकारिता
10- प्रिंटपत्रकारिताऔरमुद्रणकला, प्रूफशोधन, लेआउटतथापृष्ठ - सज्जा

सहायकग्रंथ:
1- भारतीयपत्रकारितानएक्षितिज - डॉश्रीनारायणशर्माजाफराबादी - श्रीनटराजप्रकाशनदिल्ली
2- हिंदीपत्रकारिता, भारतीयज्ञानपीठनईदिल्ली - कृष्णबिहारीमिश्र
3- पत्रएवंपत्रकारिता - ज्ञानमंडलवाराणसी - कमलापतित्रिपाठीएवंटंडन
4- संपादनकेसिद्धांत - आलेखप्रकाशननईदिल्ली - रामचंद्रतिवारी
5- हिंदीपत्रकारिताकेनएआयाम - विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी - बचनसिंह
6- जनसंचारपत्रकारिता - जयभारतीप्रकाशन - अर्जुनतिवारी
7- प्रेसकानूनऔरपत्रकारिता - हिंदीबुकसेंटर, नईदिल्ली - संजीवभानावत

एम. ए. प्रथमसेमेस्टर
लोकसाहित्य
चतुर्थप्रश्नपत्र

पूर्णांक: 100

समय - तीनघंटे

विषयकोड - MGLC-104

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- लोकसाहित्यकेविस्तृतअध्ययनकेलिए।
2- लोकसाहित्यकेसंकलनकीसमस्याओंसेसंबंधिततथ्योंकीजानकारीकेलिए।
3- गढ़वालक्षेत्रमेंप्रचलितलोकोक्ति, कहावतेंऔरमुहावरोंकेगहनअध्ययनकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- लोकसाहित्य,संस्कृतिअर्थ औरस्वरुप
2- लोकसाहित्यकावर्गीकरण : लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियां, लोकसंगीत
3-गढ़वालीलोकगीत : इतिहासएवंस्वरुप
4- गढ़वालीलोकगाथाएं : इतिहासएवंस्वरुप
5-गढ़वालीलोकसाहित्यकीप्रमुखप्रवृत्तियां
6-गढ़वालीलोकसाहित्यकास्वरुपएवंसंभावनाएं

सहायकग्रंथ:
1- लोकसाहित्यऔरलोकसंस्कृति - डॉ.रामनिवासश्रीवास्तव
2- उत्तराखंडकालोकसाहित्य - उत्तराखंडमुक्तविश्वविद्यालय, हल्द्वानी
3- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर-रवाईंक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल
4- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) - डॉ.अचलानंदजखमोला

एम. ए. प्रथमसेमेस्टर
अनुवाद - गढ़वालीभाषाकेसिद्धांतएवंअभ्यास
पंचमप्रश्नपत्र

पूर्णांक: 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC-105

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1-अनुवादप्रक्रियामेंध्यानदेनेयोग्यतत्वोंकोसमझाना।
2-गढ़वालीभाषामेंअनुवादकाअभ्यासकराना।
3-अनुवादकार्यकरतेसमयआनेवालीसमस्याएं।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1-अनुवाद: स्वरुपएवंपरिभाषाएं
2-अनुवादकास्वरुप: अनुवादकला, विज्ञानअथवाशिल्प
3-अनुवादकीप्रकृति,उपयोगिताएवंआवश्यकता
4- गढ़वाली भाषा में अनुवाद परंपरा
5- अनुवादकीप्रक्रिया, प्रकारवसमस्याएं
6- अनुवादकास्वरुप: अनुवादकला, विज्ञानअथवाशिल्प
7- अनुवादककेगुण
8- गढ़वालीभाषाकेसिद्धांत
9- गढ़वालीभाषाकाव्यावहारिकअनुवाद
10- अनुवादकीइकाई: शब्द, पदबंधवाक्यपाठ

सहायकग्रंथ:
1-अनुवादविज्ञान - भोलानाथतिवारी
2-अनुवादऔरअनुप्रयोग- प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'
3- अनुवादविज्ञानसिद्धांतएवंप्रविधि - भोलानाथतिवारी
4-काव्यानुवाद की समस्याएं- भोलानाथतिवारी
5- अनुवाद चिंतन - प्रो अर्जुन चह्वाण - अमन प्रकाशन कानपुर
6- अनुवाद चिंतन और विमर्श – डॉ. श्रीनारायण समीर - लोकभारती इलाहाबाद
7- अनुवाद समस्याएं एवं समाधान-प्रो अर्जुन चह्वाण - अमन प्रकाशन कानपुर
8- व्यावहारिक राजभाषा कोश (अंग्रेजी- हिंदी)–प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'

एम. ए. प्रथमसेमेस्टर
गढ़वालीकथासाहित्य
षष्ठप्रश्नपत्र

पूर्णांक: 100

समय : तीनघंटे

विषयकोड- MGLC-106

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- गढ़वालीलेखकोंद्वारागद्यकीविविधविधाओंकापरिचयकरवानेकेलिए।
2- गढ़वालीलोकगाथाओंकापरिचय।
3- गढ़वालकीशिक्षाप्रदकहानियोंकेगहनअध्ययनकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालीकथा साहित्यकीविशेषताएंएवंकथाकार
2- अक्कलवरको?(उपन्यास)- डॉ. महावीरप्रसादगैरोला
3-गैत्रीकीब्वे (कथासंग्रह) - सुदामाप्रसादप्रेमी
4- जोनिपरछापूकिलै(कहानीसंग्रह) - मोहननेगी
5- क्यागोरीक्यासौंली(निबंधसंग्रह) –डॉ.गोविन्दचातक

सहायकग्रंथ:
1-गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दन
2- उत्तराखंडकीलोकगाथाएं - डॉ.शिवानंदनौटियाल
3- लोकसाहित्यऔरलोकसंस्कृति - डॉ.रामनिवासश्रीवास्तव
4- लोकसाहित्यकेप्रतिमान - कुन्दनलालउप्रेती

एम. ए. द्वितीयसेमेस्टर
गढ़वालीभाषा:उत्पत्तिऔरविकास
प्रथमप्रश्नपत्र

पूर्णांक -100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC -201
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- गढ़वालीभाषाकीशब्दसीमाओंकोसमझनेकेलिए।
2- गढ़वालीसाहित्यकाइतिहासऔरकालविभाजनकेसंदर्भमें।
3- गढ़वाली, हिंदीऔरअन्यबोलियोंकेपारस्परिकसंबंधकोजानना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालीभाषा:शब्दकीव्युत्पत्ति, विभिन्नमतएवंमानकवर्तनी
2- गढ़वालीकीऐतिहासिक, धार्मिक, भौगोलिक, सामाजिकपृष्ठभूमि
3- गढ़वालीकीविभिन्नबोलियां:सामान्यपरिचय, भाषिकविशेषताएंएवं तुलनात्मकअध्ययन
4- गढ़वालीभाषाकाइतिहास:उद्भव, विकासएवं कालविभाजन
5- गढ़वालीसाहित्यकाइतिहास:कालविभाजन,साहित्यिकप्रवृत्तियां,विशेषताएंएवंविशिष्टरचनाकार
6- गढ़वालीसाहित्यकारोंकाहिंदीभाषामेंयोगदान , हिंदीसाहित्यकारोंकागढ़वालीभाषामेंयोगदान
7- गढ़वालीएवंउत्तराखंडकीअन्यभाषाओंकाअंत:सम्बन्ध

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वाली - हिंदी - अंग्रेजीशब्दकोश - संस्कृतिविभागउत्तराखंड
2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष–डॉ.अचलानंद
3- संस्कृतिसंगमउत्तरांचल (कुमाऊं -
गढ़वालकीलोकसंस्कृतिऔरपर्वतीयभाषाकेउद्भवऔरविकासकाइतिहास) यमुनादत्तवैष्णव 'अशोक'
4- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला
5- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन -
डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल
6- गढ़वालीलोकगीत - एकसांस्कृतिकअध्ययन - डॉ.गोविंदचातक
7- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) - डॉ. अचलानंदजखमोला

एम. ए. द्वितीयसेमेस्टर
गढ़वालीसाहित्यकाइतिहास
द्वितीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक -100

समय - तीनघंटे

विषयकोड - MGLC -202

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीसाहित्यकीविकासयात्राकेकालखंडकोसमझनेकेलिए।

2-गढ़वालीसाहित्यमेंगद्यकीविविधविधाओंकेयोगदानकोजानना।

3- गढ़वालीलोकसाहित्यमेंजीवनमूल्योंकामहत्व

निर्धारितपाठ्यक्रम:

1- गढ़वालीसाहित्यकेइतिहासकीविकासयात्रा (प्राचीन, स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तरकाल)

2- गढ़वालीकालोकसाहित्य

3- गढ़वालीसाहित्यकालालित्य

4-गढ़वालीसाहित्यऔरसमालोचना

5-गढ़वालीसाहित्य(उपन्यास,कविता,निबंध,रिपोर्ताज, संस्मरण, साक्षात्कार, व्यंग्य, नाटक,लघुकथा)

6- गढ़वालीकीसाहित्यिकपत्रकारिताऔरसमीक्षा

7-गढ़वालीसाहित्यमेंजीवनमूल्य- (i) गढ़वाली कथा साहित्य में (ii) गढ़वाली काव्य साहित्य में

सहायकग्रंथ:

1- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य–डॉ.जनार्दन

2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद

3- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोष - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी

4- उत्तराखंडकानवीनइतिहास - डॉ.यशवंतसिंहकठोच

5- गढ़वालीगद्यकीपरंपरा - डॉ.अनिलडबराल

6- गढ़वालीभाषाअरसाहित्यकिविकासजात्रा - संदीपरावत

7- संस्कृतिसंगमउत्तरांचल: कुमाऊं -
गढ़वालकीलोकसंस्कृतिऔरपर्वतीयभाषाकेउद्भवऔरविकासकाइतिहास - यमुनादत्तवैष्णव 'अशोक'

8- गढ़वालऔरगढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा - साहित्यएवंसंस्कृतिपरकेन्द्रित - चंद्रपालसिंहरावत

एम. ए. द्वितीयसेमेस्टर
गढ़वालीभाषाकाव्य (प्रथम भाग)
तृतीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक -100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC -203
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- गढ़वालीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकापरिचय।
2- गढ़वालीकवियोंकासाहित्यिकअवदान।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- मन्दाकिनीगीत-चंद्रकुंवरबर्त्वाल
2- समौणवबुझौण (पदसंख्या 15-25) - सर्वेश्वरदत्तकांडपाल
3- झांकीयेगढ़वालकी - धर्मानंदउनियाल
4- गौंकिलेउजड़नाछन–डॉ.उमाशंकरथपलियाल 'समदर्शी'
5-अपणोंउत्सवकविता - उमाशंकरबडोनी(पृष्ठ संख्या- 53) 06 पद
6- आखिरीरैबार - तोतारामढौंडियाल
7-मैंपहाड़ेकिनारिछौं- प्रो.दिनेशचमोला 'शैलेश'

सहायकग्रंथ:
1-चंद्रकुंवर बर्त्वाल का कविता संसार- डॉ उमाशंकर सतीश
2-समौणवबुझौण(कवितासंग्रह) (पदसंख्या 15-30) -सर्वेश्वरदत्तकांडपाल
3-'माटीकेफूल'गढ़वालीखंडकाव्य- उमाशंकरबडोनी
4-हमरोहक(कवितासंग्रह) -तोतारामढौंडियाल 'जिज्ञासु'
5- बौगलुमाटुत (कवितासंग्रह) - प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'
6- उत्तराखंड के काव्य साहित्य का इतिहास- डॉ प्रेमदत्त चमोली

एम. ए. द्वितीयसेमेस्टर
गढ़वालीगद्यसाहित्य
चतुर्थप्रश्नपत्र

पूर्णांक -100

समय - तीनघंटे

विषयकोड - MGLC -204

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालकेऐतिहासिकनाटकोंकाअध्ययन।

2- पौराणिकआख्यानोंसेसंबंधितनाटककाअध्ययन।

3- गढ़वालीलेखकोंद्वारारचितवर्तमानसमयमेंचलरहीसमस्याओंकोकहानीकेमाध्यमसेजानना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:

(क)गढ़वालीकेप्रमुखलेखक:परिचयएवंरचनाएं

(ख)पाठ्यपुस्तकें:

1- भुगत्यूँभविष्य (उपन्यास) - अबोधबन्धुबहुगुणा

2- 'मलेथाकीकूल' (नाटक) - जीतसिंहनेगी

3- भक्तप्रह्लाद (नाटक) - भवानीदत्तथपलियाल

4- बक्कितुमारिमर्जी(गढ़वालीव्यंग्यसंग्रह)-नरेन्द्रकठैत

5- नथुलू (कहानी संग्रह)- डॉ.उमेशचंद्रनैथानी

सहायकग्रंथ:

1- गढ़वाली- हिंदी- अंग्रेजीशब्दकोश - संस्कृतिविभागउत्तराखंड

2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद

3- गढ़वालऔरगढ़वाल - चंद्रपालसिंहरावत

4- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी

5- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

एम. ए. द्वितीयसेमेस्टर
प्रयोजनमूलकगढ़वाली
पंचमप्रश्नपत्र

पूर्णांक -100

समय - तीनघंटे

विषयकोड - MGLC -205

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- गढ़वालीभाषाकोप्रयोगात्मकरुपमेंप्रयुक्तकरना।

2- पत्र, निबंध, कहानी, सूचना, डायरी, विज्ञापन, भाषण, संवाद, रिपोर्ट, अनुच्छेद, संदेश, निमंत्रणआदिकागढ़वालीभाषामेंलेखनका अभ्यास।

निर्धारितपाठ्यक्रम:

1- प्रयोजनमूलकगढ़वाली : अर्थ, स्वरुपएवंमहत्व

2-प्रयोजनमूलकगढ़वालीकेविविधरुप (व्यावसायिकगढ़वाली, वाणिज्यिक, साहित्यिक, विधिक, वैज्ञानिक, जनसंचारी)

3-गढ़वालीमेंपत्रव्यवहार - टिप्पणलेखन/ प्रारूपणलेखन

4- सूचना/अधिसूचना

5- विज्ञापनलेखन

6- संवादलेखन

7- रिपोर्टलेखनभाषणलेखन

8- स्तम्भलेखन

9- सारलेखन

10- फीचरलेखन

11-वृत्तचित्रलेखन (डॉक्यूमेंट्री)

12- कहानीलेखन

13-भाषणलेखन

14- संवादलेखन

15- संदेशलेखन

16-समाचारलेखन

सहायकग्रंथ:

1- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉक्टरअचलानंद

2- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉक्टरराजेन्द्रप्रसादबलोदी

3- संस्कृतिसंगमउत्तरांचल: कुमाऊं -
गढ़वालकीलोकसंस्कृतिऔरपर्वतीयभाषाकेउद्भवऔरविकासकाइतिहास - यमुनादत्तवैष्णव 'अशोक'

4- गढ़वालऔरगढ़वाल - चंद्रपालसिंहरावत

5- अपडीबोलीअपडीभाषाकुमाउँनी गढ़वाली - शंकर सिंह भाटिया

एम. ए. द्वितीयसेमेस्टर
सांस्कृतिकपर्यटन
षष्ठप्रश्नपत्र

पूर्णांक -100

समय - तीनघंटे

विषयकोड - MGLC -206

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-

1- उत्तराखंडमेंसांस्कृतिकपर्यटनकामहत्वजानना।
2- पर्यटनमेंसरकारकीभूमिका
3- व्यवसायकेरुपमेंपर्यटनकाअध्ययनकरना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:

1- पर्यटन:परिभाषा,घटकएवंप्रकार
2- पर्यटनकेआर्थिक, सामाजिकऔरसांस्कृतिकप्रभाव
3- राष्ट्रीयएवंअंतर्राष्ट्रीयपर्यटनमेंसरकारकीभूमिका
4- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकविरासतएवंप्रमुखपर्यटनस्थलोंकाअध्ययन
5- गढ़वालकेप्रमुखधार्मिकस्थलोंएवंप्रयागोंकाअध्ययन
6- उत्सव,कलाएं, संगीतएवंवाद्ययंत्र
7- पर्यटनऔरआर्थिकी
8- होटलउद्योग: विकासएवंप्रकार
9- पर्यटनपैकेज : ट्रैवलएजेंसी / यात्राकार्यक्रम / पैकेजटूरएवंट्रैवलएजेंसीप्रचालनसेवाएं
10-उत्तराखंडमेंपर्यटनउद्योगऔरभावीसंभावनाएं
11- इको–टूरिज्मएवंपर्यटनकेअन्यप्रकार
12- दर्शनीयपर्यटनस्थलएवंसमृद्धप्राकृतिकसम्पदा(वन्यजीवअभ्यारण्य, राष्ट्रीयउद्यान)
13- पर्यटनएवंनवाचार(चिकित्सापर्यटन, हाइडलपर्यटन, चायपर्यटन, स्वास्थ्यपर्यटन, स्वैच्छिकपर्यटन)

सहायकग्रंथ:

1- फूलोंकीघाटी - गिरिराजशाह
2- उत्तराखंडकीसंतपरंपरा - गिरिराजशाह
3- तराईकीपरंपरा - शैलेशमैटियानी
4- उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल - डॉक्टरजोधसिंहनेगी
5- संस्कृतिसंगमउत्तरांचलयमुनादत्तवैष्णव'अशोक'
6- नंदादेवीउत्तराखंडकीदेवी - नंदाराजजातप्रथमसंस्करण - रमाकांतबेंजवाल
7- नंदाराजजात - उत्तराखंडमेंनंदादेवीकाउत्सवएवंजातपरंपरा
8- हाउसकीपिंगमैनेजमेंट, अनमोलप्रकाशनलिमिटेड
9- पर्यटनऔरहोटलप्रबंधन, अनमोलप्रकाशन, नईदिल्ली
10- होटल, पर्यटनऔरआतिथ्यप्रबंधन, रजतप्रकाशन, दिल्ली

एम. ए. तृतीयसेमेस्टर

गढ़वालीलोकसाहित्य
प्रथमप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 301
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालमेंप्रचलितगाथाओंऔरकथाओंकासमुचितज्ञानप्राप्तकरनेकेलिए।
2- पुराणोंसेसंबंधिततथ्योंकेगहनअध्ययनकेलिए।
3- लोकप्रचलितलोकोक्तिऔरमुहावरोंकीजानकारीकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालीकाप्रकाशित और अप्रकाशितसाहित्य
2-गढ़वालीसाहित्यमेंगीतवैविध्य
3- गढ़वालीलोकगाथा-जीतूबगड़वाल, तीलूरौतेली, माधोसिंहभंडारीकीगाथाआदि।
4- गढ़वालीपौराणिकगाथा - जागर, कृष्णगाथा, देवगाथा, पांडवगाथाएआदि।
5- गढ़वालीलोककथा:प्रवृत्ति एवंप्रकार
6-गढ़वालीलोकनाट्य
7-गढ़वालीलोकनृत्य
8- गढ़वालीआणाएवंपखाणा(लोकोक्तिएवंपहेली)

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वालीलोकसाहित्यकासंदर्भ–डॉ.गोविंदचातक
2- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्ट'शैलेश'
3- गढ़वालीलोकमानस–डॉ.शिवानंदनौटियाल
4- लोककाबाना - संदीपरावत
5- लोकसाहित्यविज्ञान–डॉ.सत्येन्द्रप्रकाशक
6-गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन- मोहनलालबाबुलकर
7- गढ़वाल हिमालय - रमाकांत बेंजवाल

एम. ए. तृतीयसेमेस्टर
गढ़वालमेंसांस्कृतिकसंचारऔरभाषाईपत्रकारिता
द्वितीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 302
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालमेंपत्रकारिताकाइतिहासजानना।
2- गढ़वालीपत्र - पत्रिकाओंकाअध्ययनकरना।
3- संचारकेमाध्यमोंकाविस्तृतअध्ययनकरना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1-संचार:अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया,भूमिकाएवंप्रकार
2-साहित्यिकएवंसांस्कृतिकपत्रकारिता
3-भाषाईपत्रकारिता:अर्थ, स्वरुप, विकासएवंभविष्य
4- गढ़वालीपत्रकारिताकाइतिहास: एकसिंहावलोकन
5- सांस्कृतिकसम्मुनयनएवं गढ़वाली पत्रकारिता
6- गढ़वालीक्षेत्रकीपत्रकारिताऔरगढ़वालीक्षेत्रसेइतरपत्रकारिता

सहायकग्रंथ:
1- हिंदीपत्रकारिता, भारतीयज्ञानपीठनईदिल्ली - कृष्णबिहारीमिश्र
2- हिंदीपत्रकारिताकेनएआयाम - विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी - बचनसिंह
3- उत्तराखंडमेंपत्रकारिताकाइतिहास - शक्तिप्रसादसकलानी
4- गढ़वालमेंपत्रकारिताऔरहिंदीसाहित्य - डॉक्टरउमाशंकरथपलियाल 'समदर्शी'
5- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉराजेन्द्रबलोदी
6- उत्तराखंडराज्यनिर्माणकासंक्षिप्तइतिहास - केदारसिंहफोनिया
7- उत्तराखंडकाइतिहास - डॉशिवप्रसादडबराल 'चारण'
8- गढ़वालकाइतिहास - हरिकृष्णरतूड़ी
9- स्वाधीनताआंदोलनमेंउत्तराखंडकीपत्रकारिता - जयसिंहरावत
10- उत्तराखंडमेंजन - जागरणऔरआंदोलनोंकाइतिहास - डॉयोगेशधस्माना

एम. ए. तृतीयसेमेस्टर
गढ़वालीभाषाकाव्य (द्वितीय भाग)
तृतीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 303
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकेउद्देश्यनिम्नलिखितहैं-
1- गढ़वालीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकापरिचय।
2- गढ़वालीकवियोंकासाहित्यिकअवदान।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- सान ना बाच - वीणापाणि जोशी
2-तुमबौडीकआवापहाड़- नीताकुकरेती
3-कन मा जौलु सौरास - डॉ माधुरी बड़थ्वाल
4-ब्वे - गणेशखुगशाल 'गणि'
5- इनमाकनक्केआणबसंत - वीरेंद्रपंवार
6- चिट्ठी - मदनमोहनडुकलान

सहायकग्रंथ:
1- आखर (दिशा-धियान्यूं को पैलो वृहद् गढ़वळि कविता संग्रै)- सम्पादक संदीप रावत,गीतेश सिंह नेगी
2-मेरीअग्याल(कवितासंग्रह) - नीताकुकरेती
3- वूं मा बोली दे(कवितासंग्रह) -गणेशखुगशाल 'गणि'
4-इनमाकनक्केआणबसंत(कवितासंग्रह) - वीरेंद्रपंवार
5-आंदिजांदिसांसें(कवितासंग्रह) - मदनमोहनडुकलान

एम. ए. तृतीयसेमेस्टर
गढ़वालीसाहित्यमंजूषा
चतुर्थप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 304
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालीसाहित्यकापरिचयकरवाना।
2- गद्यऔरकाव्यकाअध्ययन।

निर्धारितपाठ्यक्रम:

पद्यभाग

1- डालीमाटी - जीवानन्दश्रीयाल (प्रारम्भकी 02कविता)
2- प्रेमीपथिक - पंतोताकृष्णगैरोला(प्रारंभके 10 छन्द)
3- भूम्याल - अबोधबंधुबहुगुणा (प्रथम सर्ग)
4- देववणकोवर्णन - चंद्रमोहनरतूड़ी(प्रारम्भकी 02कविता)

गद्यभाग

1- धारमाकिगैणी - डॉशिवानंदनौटियाल
2- न्यौनिसाब - मोहनलालनेगी
3- खबेश - प्रेमलालभट्ट
4- स्वराजअरजनानी - प्रोभगवतीप्रसादपांथरी

सहायकग्रंथ:

1- गढ़वालीलोकमानस – डॉ.शिवानंदनौटियाल
2- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य – डॉ.हरिदत्तभट्ट 'शैलेश'
3- गढ़वालकाइतिहास - हरिकृष्णरतूड़ी
4- गढ़वालऔरगढ़वाल - संपादक - चंद्रपालसिंहरावत , डॉ.तिवारी, एवंगणी
5- गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन - मोहनलालबाबुलकर

एम. ए. तृतीयसेमेस्टर
गढ़वालीगद्यमंजूषा
पंचमप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 305
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालीगद्यकीविभिन्नविधाओंसेअवगतकराना।
2- गढ़वालीलेखकोंकासाहित्यमेंयोगदानस्पष्ट करना ।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालीगद्यकासामान्यपरिचय
2-निबंध- कबलाट- भीष्मकुकरेती

3-कहानी - (I)-पांचफूल - भगवतीप्रसादपांथरी
(II)-घंघतोल - सुदामाप्रसादप्रेमी

4- नाटक - (I)-खाडूलापता - मोहनथपलियाल
(II)-अबक्याहोलु - कुलानन्दघनशाला

5- उपन्यास - (I)-भाग्यरेखा (हिमालयकाआंचलिकउपन्यास) - डॉविनयकुमारडबराल 'रजनीश'
(II)-निमाणी - नित्यानंदमैठाणी

6- एकांकी - (I)-अद्यपतन-भगवतीप्रसादपांथरी
(II)- घरजवैं-ललितमोहनथपलियाल

सहायकग्रंथ:
1-गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दन
2- उत्तराखंडकीलोकगाथाएं - डॉ.शिवानंदनौटियाल
3- लोकसाहित्यऔरलोकसंस्कृति - डॉ.रामनिवासश्रीवास्तव
4- लोकसाहित्यकेप्रतिमान - कुन्दनलालउप्रेती

एम. ए. तृतीयसेमेस्टर
गढ़वालीलोकगीत: स्वरुपएवंसाहित्य
षष्ठप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 306
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- छात्रोंकोगढ़वालीलोकगीतोंकापरिचयकरवाना।
2- गढ़वालीसाहित्यमेंलोकगीतोंकामहत्व।
3- गढ़वालीसमाजमेंलोकगीतोंकीभूमिकाजानना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालीलोकगीतोंकीउत्पत्ति
(i) लोकशब्दकाअर्थएवंलोकगीतोंकापरिचय
(ii) गढ़वाली लोकगीतोंकीविशेषताएंएवंवर्गीकरण (गढ़वाली पंवाडा, जागर, पांडवनृत्य, औजी-वादी, लोकवाद्य, ढोलसागर)

2- लोकगीत एवं लोक पक्ष
(i) लोकगीतोंकी भावसम्पदा
(ii) लोकगीतोंमेंनिरुपितलोकजीवन
(iii) लोकगीतोंकासंगीत: संयोजन

3- गढ़वालीलोकगीत:सामाजिकसरोकार एवं रसयोजना
(i) लोकगीतएवंसमाज
(ii) लोकगीतएवंप्रकृति
(iii) लोकगीतएवंसंस्कृति
(iv) लोकगीतएवंआर्थिकी
(v) लोकगीतएवंराष्ट्रीयचेतना
(vi) लोकगीतएवंनारीजीवन
(vii) लोकगीतएवं पर्यावरण चेतना
(viii)लोकगीतएवं मानवीय संवेदना

सहायकग्रंथ:
1- उत्तराखंडकाइतिहास – डॉ.शिवप्रसादडबराल
2- गढ़वालकाइतिहास - पंडितहरिकृष्णरतूड़ी
3- गढ़वालीलोकगीत – डॉ.गोविंदचातक
4- लोकगीतोंमेंरसयोजना – डॉ.शिवदयालजोशी

5- गढ़वालीलोकसाहित्यमेंलोकोक्तियोंएवंलोकगीतोंकासामाजिकअध्ययन – डॉ.आशाबिष्ट
6- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य – डॉ.हरिदत्तभट्ट 'शैलेश'
7- खुचकंडी - श्रीनरेन्द्रसिंहनेगी

एमएचतुर्थसेमेस्टर
गढ़वालीगीत: सृजन,गायनएवंसंगीत
प्रथमप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 401
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालीलोकगायक, गीतकारऔरसंगीतकारोंकायोगदान।
2- गढ़वालकीसंस्कृतिमेंलोकगीतोंकामहत्वजानना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालीगीत: सृजन, गायनएवंसंगीतकापरिचय।
2- गढ़वालीलोकगीतोंमेंअन्तर्निहितसंदेश।
3- गढ़वालीलोकगीतोंमेंअभिव्यक्तलोकसंवेदनाएं।
4- विलुप्तहोतीलोकसंस्कृतिकेसंरक्षणमेंगढ़वालीलोकगायिकीकीभूमिका।
5- गढ़वालीलोकधुन औरसंगीतसंजीवनी।
6- गढ़वालीलोकजीवनएवंलोकवाद्ययंत्रोंकामहत्व।

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य-डॉहरिदत्तभट्ट 'शैलेश'
2- गढ़वालीभाषा, साहित्यऔरसंस्कृति- गोविंदचातक
3- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला
4- गढ़वालऔरगढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा - साहित्यएवंसंस्कृतिपरकेन्द्रित - चंद्रपालसिंहरावत
5- गढ़वालीलोकमानस - डॉशिवानंदनौटियाल
6- गढ़वालकेलोकगीतऔरलोकनृत्य - डॉशिवानंदनौटियाल

एमएचतुर्थसेमेस्टर
गढ़वालीसंस्कृति
द्वितीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 402
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालकीसंस्कृतिसेपरिचयकरवाना।
2- गढ़वालीसंस्कृतिकामहत्वजानना।
3- गढ़वालीसंस्कृतिकेसंरक्षणहेतुकिएगएकार्योंकावर्णन।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालकासांस्कृतिकवैभव
2- रहन-सहन
3- तीज- त्यौहार
4- खानपानएवंवेशभूषा
5- लोककलाएंएवंलोकनृत्य
6- लोकएवंबोलियां
7- वैश्विकपटलऔरगढ़वालीसंस्कृति
8- सांस्कृतिकसंरक्षणएवंप्रदेशसरकारकाप्रदेय

सहायकग्रंथ:
1- लोकसाहित्यविज्ञान - डॉसतेंद्र
2- भारतीयलोकसंस्कृतिकासंदर्भ - मध्यहिमालय - डॉगोविन्दचातक
3- लोकसाहित्यकीरूपरेखा - डॉकृष्णचन्द्रशर्मा
4- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य - डॉहरिदत्तभट्टशैलेश
5- गढ़वालीलोकमानस - डॉशिवानंदनौटियाल
6- गढ़वालकेलोकगीतऔरलोकनृत्य - डॉशिवानंदनौटियाल

एमएचतुर्थसेमेस्टर
गढ़वालीलोकसाहित्यकेउन्नायक गोविन्दचातक
तृतीयप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 403
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गोविंदचातकजीकागढ़वालीलोकसाहित्यमेंदियागयायोगदान।
2- लोकगीतोंकेमाध्यमसेगढ़वालीसंस्कृतिकाप्रचार - प्रसार।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1-गोविन्दचातकजीकाजीवनपरिचयएवंसाहित्यिकअवदान
2- गढ़वालीलोकगीतोंकेसंग्रहणमेंगोविंदचातककी भूमिका
3-लोकगीतोंकापरिचय -
(I) गढ़वाल - मेरोगढ़वाल
(II) पूजागीत - जाग
(III) मांगल- निमंत्रण ,बरातआगमन
(IV) प्रेमगीत- फ्योलीरौतेली, कैकीबौराणछै, ऐजानूरुकमा
(V) छोपती - पोसतोकीछुमामेरीभाग्यानीबौ।
(VI) बाजूबंद - सुलपाकीसाज
(VII) दाम्पत्यजीवन - रैबार
(VIII) समसामयिकगीत

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वालीलोकगीत (खंडएक: लघुगीत) - गोविन्दचातक
2- गढ़वालीभाषा, साहित्यऔरसंस्कृति - गोविन्दचातक
3- भारतीयलोकसंस्कृतिकासंदर्भ - मध्यहिमालय - गोविन्दचातक
4- गढ़वालीलोकसाहित्यकासंदर्भ - गोविंदचातक

एमएचतुर्थसेमेस्टर
प्राचीन एवं आधुनिकगढ़वालीकविता
चतुर्थप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 404
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- कविताकेक्षेत्रमेंगढ़वालीकवियोंकेयोगदानकोसमझना।
2- लोकप्रचलितगढ़वालीकविताओंकाअध्ययन।
3- काव्यकामर्मसमझना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- सदेई -पंडिततारादत्तगैरोला (प्रारंभके 40 छन्द)
2- रामीबौराणी- बलदेवप्रसादशर्मा
3-वीरवधूदेवकी-भजनसिंह (प्रारंभके 30 छन्द)
4- समलौंण (हेचखुलीकविता)- जग्गूनौडियाल
5- खुचकंडी- श्रीनरेन्द्रसिंहनेगी
6- प्रीतमसतसई- डॉक्टरप्रीतमअपछयाण (प्रारंभके 02 खंड)

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य-डॉ. हरिदत्तभट्ट'शैलेश'
2- गढ़वालीलोकगीत-शिवानंदनौटियाल
3- गढ़वालकाइतिहास- श्रीहरिकृष्णरतूड़ी
4- गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन- मोहनलालबाबुलकर
5- गढ़वालीलोकमानस- डॉ.शिवानंदनौटियाल
6- गढ़वालीलोकसाहित्यकासंदर्भ :मध्यहिमालय -डॉ.गोविंदचातक
7- भारतीयलोकसाहित्यकोश (खंड-4)- डॉ.सुरेशगौतम

एमएचतुर्थसेमेस्टर
गढ़वालकीकलाऔरवास्तुकला
पंचमप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 405
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालकीवास्तुकलाकापरिचयकरवाना।
2- वास्तुकलाकामहत्वजानना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालकी वास्तुकलाकाइतिहास।
2- मंदिरोंमेंस्थापत्यकलाकाइतिहास।
3-पर्यटनस्थलोंमेंवास्तुकलाकामहत्व।
4- पारम्परिकभवननिर्माणमेंवास्तुकलाकामहत्व।
5- प्राकृतिकसौंदर्य:काष्ठकलाऔरवास्तुकलाकायोगदान।
6- प्राचीनसिद्धपीठोंमें निरुपितसभ्यताएवंवास्तुकला।
7- कलाएवंसंस्कृतिकाअद्भुतसमन्वयगढ़वालहिमालय।

सहायकग्रंथ:

1-उत्तराखंडकानवीनइतिहास - डॉक्टरयशवंतसिंहकटोच
2-गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉक्टरअचलानंद
3-उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉक्टरराजेन्द्रप्रसादबलोदी
4-उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईंक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉक्टरजगदीशप्रसादनौडियाल
5-संस्कृतिसंगमउत्तरांचल: कुमाऊं - गढ़वालकीलोकसंस्कृतिऔरपर्वतीयभाषाकेउद्भवऔरविकासकाइतिहास - यमुनादत्तवैष्णव 'अशोक'
6-गढ़वालऔरगढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा - साहित्यएवंसंस्कृतिपरकेन्द्रित - चंद्रपालसिंहरावत
7-उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल - डॉक्टरजोधसिंहनेगी
8-गढ़वालकाइतिहास - हरिकृष्णरतूड़ी
9-उत्तराखंडकाइतिहास - डॉशिवप्रसादडबराल 'चारण'
10-गढ़वालीलोकमानस- डॉक्टरशिवानंदनौटियाल

एमएचतुर्थसेमेस्टर
गढ़वालहिमालयऔरसाहित्य(विकल्प -1)
षष्ठप्रश्नपत्र

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - MGLC- 406 (i)
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- हिमालयकेरचनाकारोंकासाहित्यमेंयोगदानस्पष्टकरना।
2- साहित्यमेंहिमालयकेवर्णनकापरिचयकरवाना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- प्रमुख हिमालयीराज्य:अवधारणाऔररणनीति
2- हिंदीसाहित्यऔर हिमालयीसाहित्य
3- वैश्विकपरिप्रेक्ष्यमेंगढ़वालहिमालय
4- गढ़वालहिमालय: साहित्यिक सरोकार
5- गढ़वालहिमालय: इतिहास, दर्शन, भक्ति, आध्यात्म एवं सृजन की पूर्व पीठिका
6- सांस्कृतिकऔरआध्यात्मिकमिथकोंकेसन्दर्भमेंगढ़वालहिमालय
7- गढ़वालहिमालय:लोकसाहित्य एवं सृजन की उर्वरा भूमि

सहायकग्रंथ:

1-उत्तराखंडकानवीनइतिहास - डॉक्टरयशवंतसिंहकटोच
2-गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉक्टरअचलानंद
3-उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉक्टरराजेन्द्रप्रसादबलोदी
4-गढ़वालऔरगढ़वाल - इतिहास, पुरातत्व, भाषा - साहित्यएवंसंस्कृतिपरकेन्द्रित - चंद्रपालसिंहरावत
5-गढ़वालकाइतिहास - हरिकृष्णरतूड़ी
6-उत्तराखंडकाइतिहास - डॉशिवप्रसादडबराल 'चारण'
7-गढ़वालीलोकमानस- डॉक्टरशिवानंदनौटियाल
8-हिमाचलदर्शन - शिवानंदनौटियाल
9- हिमालयगाथा - देवपरंपरा - सुदर्शनवशिष्ठ
10-हिमालयगाथा - पर्वउत्सव - सुदर्शनवशिष्ठ

एमएचतुर्थसेमेस्टर
लघुशोधप्रबंध (विकल्प -2)
षष्ठप्रश्नपत्र

विषयकोड - MGLC- 406 (ii)
उद्देश्य -इसप्रश्नपत्रकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- शोधकार्यकोबढ़ावादेना।
2- शोधकीप्रविधिसमझाना।

निर्देश - 1- लघुशोधप्रबंधकाविकल्पकेवलवहीपरीक्षार्थीचुनसकेंगे, जिन्होंनेप्रथमदोसेमेस्टरोंमें 55 प्रतिशतयाइससेअधिकअंकप्राप्तकिएहों।

2- लघुशोधप्रबंधकाविषयपरीक्षार्थीद्वाराविभागाध्यक्ष / वरिष्ठशिक्षकसेपरामर्शपरचुनाजायेगा।

3- लघुशोधप्रबंधकामूल्यांकनएकबाह्यपरीक्षककेसाथसंयुक्तरुपसेकियाजायेगा।

निर्धारितपाठ्यक्रम:

गढ़वालीसाहित्यकेकिसीभीविषयपरलघुशोधकियाजासकताहै, जिसकाअंकविभाजनइसप्रकारहोगा -
1- नियतकालीनप्रस्तुतीकरण =20 अंक

2- लघुशोधमूल्यांकन =60 अंक

3- मौखिकी =20 अंक